

‘राजस्थान का स्वतंत्रता संग्राम और वजिय सहि पथकि’ पुस्तक का वमिचन

चर्चा में क्यों?

8 दसिंबर, 2021 को राजस्थान के कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने बीकानेर ज़िले में ‘राजस्थान का स्वतंत्रता संग्राम और वजिय सहि पथकि’ पुस्तक का वमिचन किया।

प्रमुख बदि

- आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम की इस कड़ी में राजस्थान राज्य अभलिखागार परसिर में आयोजति कार्यक्रम के दौरान डॉ. कल्ला ने कहा कि देश को आज़ादी दिलाने में वजिय सहि पथकि की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण रही। उनके समग्र व्यक्तित्व से संबंधति मूल दस्तावेज़ों पर आधारति यह पुस्तक भावी पीढ़ी के लिये फायदेमंद साबति होगी।
- पुस्तक के संपादक तथा राजस्थान राज्य अभलिखागार नदिशक डॉ. महेंद्र खड़गावत ने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 1982 में ओरल हसिट्री परयोजना के तहत उस दौर के जीवति स्वतंत्रता सेनानयिों के संस्मरणों को ध्वनबिद्ध करने का कार्य दया गया था, जसिका प्रभावी करयिान्वयन कया गया है।
- राजस्थान और आसपास के राज्यों द्वारा वजिय सहि पथकि के मूल अभलिखों पर आधारति पुस्तक की आवश्यकता महसूस की गई थी। इसके मददेनज़र अभलिखागार द्वारा यह पुस्तक प्रकाशति की गई है।
- कला-संस्कृति मंत्री ने राजस्थानी भाषा को वशि्व की समृद्धतम भाषाओं में से एक बताया तथा कहा कि इसमें प्रचुर साहित्य वदियमान है। तथा दुनया भर में दस करोड़ से अधिक लोग राजस्थानी भाषा बोलते और समझते हैं।
- राजस्थान की वधिानसभा द्वारा इसे संवधिान की आठवीं अनुसूची में शामिल करवाने का प्रस्ताव वर्षों पूर्व पारति करवाया जा चुका है। उन्होंने राजस्थानी फलिमों के प्रोत्साहन के लिये राज्य सरकार द्वारा कयि जा रहे कार्यों की जानकारी दी।
- इस अवसर पर डॉ. कल्ला ने अभलिखागार और म्यूजियम का अवलोकन कया। डिजिटल अभलिखागार, अभलिख संग्रहालय तथा अभलिख प्रबंधन की सराहना की। बही और पट्टा रजसिटर का अवलोकन कया तथा पट्टा जारी करने की जानकारी भी ली।
- डिजिटिाइज़ेशन कार्य को भवष्य के दृष्टिकोण से महत्त्वपूर्ण बताया। अभलिखागार की दीर्घाओं में शवािजी महाराज दीर्घा, महाराणा प्रताप दीर्घा, टेस्सीतोरी दीर्घा आदि का अवलोकन कया।